आईआईएम रायपुर ने इस महीने एआई, डिज़ाइन थिंकिंग और लीडरशिप पर 7 भविष्य-केंद्रित मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स लॉन्च किए

रायपुर, एजेंसी। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रायपुर, जिसे BuildingBusinessOwners के लिए जाना जाता है, ने सितंबर 2025 के लिए अपने मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स (एमडीपी) की घोषणा की है। लीडरशिप, नवाचार, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और कर्मचारी कल्याण पर केंद्रित ये कार्यक्रम आईआईएम रायपुर के एग्जीक्यूटिव एजुकेशन के अंतर्गत आयोजित होंगे। इनका उद्देश्य प्रतिभागियों को तेज़ी से बदलते कारोबारी माहौल में नई जानकारी, रणनीतिक दृष्टिकोण और रूपांतरणकारी कौशल प्रदान करना है।

ये 7 मैनेजमेंट डेवलपमेंट प्रोग्राम्स विभिन्न क्षेत्रों जैसे स्ट्रैटेजिक मैनेजमेंट, सूचना प्रणाली, जनरल मैनेजमेंट, एचआरएम और ओबी पर आधारित हैं और इन्हें आईआईएम रायपुर के अनुभवी संकाय द्वारा तैयार किया गया है।

इन कार्यक्रमों में नवाचार, सह-निर्माण और डिज़ाइन थिंकिंग, व्यवसाय और शिक्षा में ष्द्धइह्लतक्क्ष का उपयोग, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन, कर्मचारी प्रदर्शन और कल्याण, लेबर कोड मास्टरक्लास, हेल्थकेयर मैनेजमेंट और बिज़नेस एनालिटिक्स जैसे विषय शामिल हैं। ये सभी प्रतिभागियों को नवाचार, अनुपालन और उद्योग-विशेष ज्ञान का संतुलित मिश्रण प्रदान करेंगे, जो आधुनिक संगठनों की जटिलताओं से निपटने के लिए ज़रूरी है।

आईआईएम रायपुर के निदेशक-प्रभारी प्रो. संजीव पराशर ने कहा- ÷आईआईएम रायपुर में हम एग्जीक्यूटिव एजुकेशन को मानव पूंजी में एक रणनीतिक निवेश मानते हैं, जो न केवल करियर बल्कि संगठनों के भविष्य को भी आकार देता है। सितंबर 2025 के हमारे एमडीपी कार्यक्रम आज के कारोबारी माहौल की सबसे अहम ज़रूरतों को संबोधित करते हैं—चाहे वह ChatGPT जैसे एआई टूल्स का उपयोग हो, नए श्रम कानूनों को समझना हो, या न्याय और कल्याण पर आधारित नेतृत्व को बढ़ावा देना। ये कार्यक्रम इस विश्वास को दर्शाते हैं कि असरदार शिक्षा समयानुकूल, संदर्भ आधारित और भविष्य के लिए तैयार होनी चाहिए।÷

ये कार्यक्रम प्रतिभागियों को अग्रणी शिक्षाविदों से सीखने, उद्योग-प्रासंगिक ज्ञान प्राप्त करने और रणनीतिक सोच विकसित करने का अवसर प्रदान करते हैं। प्रतिभागियों को केस डिस्कशन, इंटरैक्टिव सत्र और प्रायोगिक गतिविधियों के ज़रिए वास्तविक अनुभव मिलेगा, जिसे तुरंत कार्यस्थल पर लागू किया जा सकता है।